केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता - 27
वार्षिक रिर्पोट 2010-2011

पृष्ठभूमि :

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय की कार्य की शुरूआत स्वतंत्र रूप से राष्ट्रीय पुस्तकालय के परिसर में सन 1955 से प्रारम्भ हुई । योजना आयोग, द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय को नई दिल्ली मे स्थापित करने की स्वीकृत दी । पुस्तक परिदान अधिनियम 1954 एक्ट की कानूनी स्वीकृत प्राप्त होने के बाद राष्ट्रीय ग्रंथसूची का संकलन भारत सरकार के लिए वैधानिक हो गया । केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय के राष्ट्रीय ग्रंथसूची इकाई को तत्काल कार्य प्रारंम्भ करने हेतु गठन किया गया और राष्ट्रीय पुस्तकाल पुस्तका परिदान अधिनियम 1954 एक्ट के तहत प्राप्त पुस्तको से ग्रंथसूची निर्माण की स्वीकृत दी गयी । राष्ट्रीय पुस्तकाल के पुस्तकाध्यक्ष इस इकाई के प्रधान के रूप मे कार्य किए । इस इकाई को केंदीय संदर्भ पुस्तकालय स्थांतरित किया जाना था । किन्तु दुर्भाग्यवश ऐसा कभी नही हुआ । शुरूआत से लेकर 1970 तक पुस्तकाध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तकालय प्रभारी के तौर पर रहे । 1970 के बाद पूर्णकालिक पुस्तकाध्यक्ष की नियुक्ती हुई ।

इस समय राष्ट्र का राष्ट्रीय ग्रांथीक प्रतिनिधि के रूप में कार्य का निर्वाह कर रहा है । इसे निम्नलिखित योजनाओं के प्रतिपादन का उत्तरदायित्व दिया गया है ।

* राष्ट्रीय ग्रंथसूची पुस्तक परिदान अधिनियम 1954 के प्रावधान के अंर्तगत राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता में प्राप्त प्रकाशनों के आधार पर अंग्रेजी सहित 14 भारतीय भाषाओं के अघतन भारतीय प्रकाशनों का एक रिकार्ड है ।
* भारतीय ग्रंथसूची के भाषा ग्रंथसूचील का संकलन का प्रकाशन ।
* संकलन प्रकाशन तथा इंडेक्स इंडियाना का विक्रय जो 6 वृहद भाषाओं के अघतन भारतीय पत्रिकाओ में चयनित आलेखों का एक परिशिष्ठ है ।

भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची :-

मासिक अंक:- सन 1964 में भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची के संकलन का काम तिमाही से मासिक रूप में परिवर्तित किया गया । इसके अलावा यह मासिक अंक उस समय तक निकलना जारी जो बाद में बंद हो गया । 1999 में भारतीय ग्रंथसूची के संकलन का कम्प्यूटिरीकरण नियमित रूप से मासिक अंक जारी करने में अप्रत्यासित परिवर्तन हुआ । भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची का मासिक अंक सभी मानकों के अनुसार विलकुल अघतन हो चला है । सभी मासिक अंक दिसम्बर 2009 तक प्रकाशित हो चुका है और वेचा जा रहा है । लाईब्रेरी साफटवेयर का अपग्रेडसन होने के कारण आई० एन० बी का मसिक अंक 2010 प्रकाशन में देर हुई । मार्च 2011 तक जून तक का मासिक अंक प्रकाशित कर लिया जायेगा ।

वार्षिक खंड :

भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची का मासिक अंक जनवरी से दिसम्बर के बाद संकलित कर लिए जाते है । दोनों अंक विक्रय के लिए उपलब्ध है । सभी वार्षिक अंक 2007, 2008 और 2009 वार्षिक अंक प्रेस में भेजे गये है । 1958-2009 तक का सभी आकडा भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची सहित डाटा वेस केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय में उपलब्ध है । सभी आई० एन० बी० का डाटा नेट पर लोड कर लिया जायेगा ।

लाईब्रेरी साफटवेयर की उन्नति :-

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय ने मौजुद लाईब्रेरी साफटवेयर लिबशिस 4 से वेव इनाब्लेड एल0 एस0 प्रमिया का उन्नति कर लिया है । सभी विब्लियोग्राफी डाटा मार्क 21 फारमैट में बना रहा है । मौजूद भारतीय लिपि को डाटा यूनिकोड में किया जा रहा है । सभी मौजुद आई0 एन0 बी0 रिकार्ड को मार्क 21 में रूपांतरित कर लिया गया है । आई0 एन0 बी0 को रोमन लिपि और भाषा लिपि को तैयार करने में बहुत सारे प्रयास किया जा रहा ।

इंडेक्स इंडियाना **:-**

इंडेक्स इंडियाना योजना की शुरूआत **1975** में हुई । **6** वृहद क्षेत्रीय भाषाओं के पत्रिकाओं अर्थात बंगला, गुजराती, हिंदी, मलयालम, मराठी और तमिल में प्रकाशित चुनिंदा लेखों की सूची तैयार करने हेतु प्रारंम्भ किया गया । सांग्रहित खंड प्रकाशत हो चुका है और बिक्री हेतु उपलब्ध है । **2004-2009** प्रेस के लिए तैयार है । अब इंडेक्स इंडियाना का संकलन और उत्पादन कंम्प्यूटर के द्वारा किया जा रहा है ।

<u>1958</u> <u>से राष्ट्रीय ग्रंथसूची रिकार्ड का रूपान्तर :-</u>

भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची के सभी ग्रांथिक आंकड़ें इसके प्रारंम्भ **1958** से उपलब्ध है और इसके नेटर्वक में पढ़ा जा सकता है । इस समय **6.7** लाख से अधिक आकड़े आई०एन०बी० के डाटा बेस पर उपलब्ध है ।

<u>भाषिय ग्रंथसूची :-</u>

असमिया :- असमिया ग्रंथसूची **2001-2007** का संग्रहित खंड का प्रकाशन का कार्य चल रहा है । ।
बंगला :- जातिया ग्रंथ पंजी बंगला **2008-2009** प्रेस में भेजने हेतु तैयार है ।
हिन्दी :- राष्ट्रीय ग्रंथसूची **2004-2005** प्रेस में भेजने हेतु तैयार है ।
तमिल :- तमिल ग्रंथसूची **2001-2009** संग्रंहित खंड प्रकाशन की प्रक्रिया में है ।
उर्दू :- **1.** कौमी किताब्यात **2006-2010** प्रकाशन की प्रकिया में है ।-

सेमिनार तथा संगोष्ठियों में भागीदारी :-

विविध व्यवसायिक संगोष्ठियों तथा बैठकों में इस कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी नियमित रूप से भाग लेते रहे हैं । कार्यालय प्रतिनिधियों को इण्डियन एसोसियेसन ऑफ स्पेशल लाईब्रेरी एण्ड इनफारमेशन सेंटर (एसलिक) तथा इण्डियन लाइब्रेरी एसोसियेसन के वार्षिक सेमिनार में प्रतिनियुक्त किया जाता रहा है ।

प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय द्वारा प्रति एक माह के लिए पुस्तकालय विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस साल जुलाई **2010-2011** तक **35** छात्रों ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से भाग लिया । उत्कल विश्वविद्यालय, उडिया एवं कोलकाता विश्वविद्यालय, कल्यानी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, यादवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, नागपुर विश्वविद्यालय, मराठा विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र एवं भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार के छात्रों ने भाग लिया

पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों का दौरा :-

भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची एक ऐसा क्षेत्र है जहां पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान के छात्र तथा विद्वान

विद्यार्थीयों को केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता में भेजा गया । यह पुस्तकालय भारत तथा विदेशो के विद्वानों को ग्रंथ सूची सेवा प्रदान करता रहा है ।

पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु विकास के कार्यकलाप :-

भारत सरकार के नीति के अनुरूप केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के पुस्तकालय तकनिकियों के लिए उनकी अपनी भाषा की विब्लियोग्राफी तैयार करने हेतु प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया । इस साल मनिपुर विश्वविद्यालय इम्फाल में 28 से 29 अक्टुबर तक लाईब्रेरी सेवा को सभी तक पहुच पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया । और दूसरी सेमिनार का आयोजन 10 से 11 फरवरी, 2011 तक आसाम विश्वविद्यालय सिलचर के सहयोग से आम लाईब्रेरी ईटानगर (अरूणाचल) में एक कार्यशाला का आयोजन लाईब्रेरी पेशेवर के लिए आयोजित किया जाएगा ।

अर्तराष्ट्रीय पुस्तक मेला :-

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय ने 6 से 10 अक्टुबर 2010 तक जर्मनी के फैकफट में आयोजित अंर्तराष्ट्रीय पुस्तक मेला में भाग लिया । इसके अलावा नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित नेशनल पुस्तक मेला मैसूर में भाग लिया । इस दौरान 5 लाख की राशि का आई०एन०बी० की ब्रिकी की गयी । केंदीय संदर्भ पुस्तकालय 28 जनवरी से 6 फरवरी 2011 तक कोट्यााम, केरला में अंर्तराष्ट्रीय पुस्तक मेला में भी भाग ले रहा है ।

नागरिक अधिकार पत्र :-

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, नेशनल लाइब्रेरी से प्राप्त पुस्तकों का संदर्भ ग्रंथ बनाकर नागरिक को सेवा प्रदान करता है ।यह पुस्तकाध्यक्ष, केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता से मांगा जा सकता है ।

केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता के मदों का वित्तिय अवलोकन

योजना

मदे	**बजट अनुमान 2010-11**	**संशोधित बजट 2010-11**	**बजट अनुमान 2011-12 (अनुमानित)**
03.01.13- कार्यालय व्यय	19.99,000/-	31,49,000/-	25,00,000/-
	10,00,000/-(पूर्वोत्तर)	10,00,000/-(पूर्वोत्तर)	10,00,000/-(पूर्वोत्तर)
03.01.13- छपाई और प्रका०	15,00,000/-	15,00,000/-	10,00,000/-
03.01.11- घरेलु यात्रा व्यय	3,00,000/-	2,50,000/-	3,50,000/-
03.00.11 विदेश यात्रा व्यय	7,01,000/-	7,01,000/-	6,50,000/-
03.99- सूचना प्रौद्योगिकी	15,00,000/-	4,00,000/-	15,00,000/-
00.105- पूजीगत व्यय	5,00,000/-	5,00,000/-	8,00,000/-
कुल	75,00,000/-	75,00,000/-	78,00,000/-

--**d**d

---x

गैर योजना

03.01.01- वेतन	1,91,50,000/-	1,90,00,000/-	2,01,50,000/-
03.01.06- चिकित्सा भत्ता	1,65,000/-	1,65,000/-	2,00,000/-
03.00.03- समयोपरी भत्ता	15,000/-	15,000/-	20,000/-
03.01.11- यात्रा व्यय	3,85,000/-	2,00,000/-	3,35,000/-
03.01.13- कार्यालय व्यय	4,85,000/-	8,20,000/-	7,95,000/-
कुल	2,02,00,000/-	2,02,00,000/-	2,15,00,000/-